Indian Council of World Affairs
Sapru House, Barakhamba Road
New Delhi

आईसीडब्ल्यूए अतिथि खंड

# आसियान समुदाय 2015

## राजदूत बिरेन नंदा

## 19 जनवरी 2016

आसियान ने नवंबर 2015 में अपने 27वें शिखर सम्मेलन में घोषणा की कि राजनीतिक और सुरक्षा समुदाय और आर्थिक समुदाय और सामाजिक-सांस्कृतिक समुदाय से युक्त आसियान समुदाय की स्थापना 31 दिसंबर 2015 को करेगा। शीत युद्ध की समाप्ति के बाद की अवधि में इसके महत्व को समझने के लिए आसियान के विकास का पता लगाना जरूरी है।

1992 में आसियान मुक्त व्यापार क्षेत्र (एएफटीए) की स्थापना के साथ आसियान पूर्वी एशिया में मुक्त व्यापार समझौता नेटवर्क का केंद्र बन गया और इस तरह इस क्षेत्र के आर्थिक एकीकरण में इसने "चालक सीट" के तौर पर अपना हैसियत बना लिया। एएफटीए का मुख्य लक्ष्य आसियान का चरित्र में एफडीआई पर निर्भर और निर्यातोन्मुख छवि को प्रतिबिंबित करना था। एएफटीए ने सीमा-शुल्क दर और गैर-सीमा-शुल्क दर की बाधाओं को खत्म करने और क्षेत्र में अधिक से अधिक एफडीआई को आकर्षित करने के लिए विश्व बाजार में उत्पादन आधार के रूप में आसियान की प्रतिस्पर्धी बढ़त को बनाए रखने का लक्ष्य निर्धारित किया। यह क्षेत्र एशियाई कारखाने का केंद्र बन गया, जिसमें निगमों ने नए बाजारों की तलाश के लिए अपने उत्पादन नेटवर्क को स्थापित किया और परिचालन लागत में कटौती की इच्छा जताई।

1997-1998 के वित्तीय संकट ने आसियान के सदस्य राष्ट्रों को बुरी तरह से कमजोर कर दिया था। आसियान में बहुत से एफडीआई को चीन में स्थानांतरित कर दिया गया था, जो पहले से ही विदेशी बाजारों के लिए खुला था और जल्द ही वह विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भी शामिल हो जाएगा। यह उन आसियान देशों के लिए विनाशकारी था, जिनका आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक - निवेश-आधारित, निर्यातोन्मुख विकास रणनीति पर निर्भर था।

9वें आसियान शिखर सम्मेलन (2003) के दौरान सदस्य-राष्ट्रों ने आसियान को एक क्षेत्रीय संगठन आसियान समुदाय के रूप में प्रासंगिकता प्रदान करने के लिए 2015 तक आसियान समुदाय बनाने और एक एकीकृत बाजार का लाभ उठाने के रूप में उपयोग करके अधिक विदेशी निवेश आकर्षित करने की योजना बनायी।

मूलतया 1997 में अपनाए गए विज़न 2020 में जैसा कि निर्धारित किया गया था, आसियान समुदाय को 2020 में शुरू करने के लिए तैयार किया गया था। 12 वें आसियान शिखर सम्मेलन (2007) के दौरान, वैश्विक और क्षेत्रीय आर्थिक चुनौतियों का सामना करने और आसियान को अपनी केंद्रीयता को फिर से तय करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वह लगातार विकसित हो रही है; क्षेत्रीय वास्तुकला को आकार देने में प्रेरक शक्ति बनते हुए 2015 तक आसियान समुदाय बनाने में तेजी लाने का निर्णय लिया गया।

आसियान समुदाय के तीन स्तंभ हैं, जैसा कि बाली कॉनकॉर्ड II में तय हुआ: (1) राजनीतिक और सुरक्षा समुदाय, (2) सामाजिक-सांस्कृतिक समुदाय और (3) आर्थिक समुदाय। हर स्तंभ के अलग-अलग हिस्से में आसिया समुदाय के कार्यान्वयन की रूपरेखा है।

क्षेत्रीय सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता के लिए खतरों को संबोधित करने और क्षेत्र में लोकतंत्र और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए आसियान राजनीतिक-सुरक्षा समुदाय (एपीएससी) बनाया गया था।

एपीएससी की प्रतिबद्धता मौजूदा आसियान राजनीतिक साधनों मसलन; शांति, स्वतंत्रता और निष्पक्षता (जेडओपीएफएएन) के क्षेत्र की घोषणा, दक्षिण पूर्व एशिया में एमिटी और सहकारिता संधि (टीएसी) और दक्षिण पूर्व एशियाई परमाणु हथियार पर संधि – निशुल्क क्षेत्र (एसईएएनडब्ल्यूएफजेड) आदि के प्रति है। यह आसियान क्षेत्रीय मंच (एआरएफ), पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस), और आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम) जैसे क्षेत्रीय सुरक्षा संवादों को भी बढ़ावा देता है। हालांकि 2011 में कंबोडियन-थाईलैंड सीमा विवाद तथा चीन और कुछ अन्य आसियान देशों के बीच वर्तमान क्षेत्रीय विवाद जैसे वास्तविक टकराव को कम करने में बहुत प्रगति नहीं हुई है।

समझौते के माध्यम से आसियान आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया (एएडीएमईआर) पर प्रभावी और प्रारंभिक प्रतिक्रिया के लिए संयुक्त क्षेत्रीय प्रयासों की रूपरेखा बनाता है। हालांकि, यह बाध्यकारी नहीं है, जैसा कि आपदा राहत और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए राष्ट्रीय संसाधनों की स्वैच्छिक स्थापना के मामले में इसे तैयार किया गया है। रूपरेखा में आसियान में लोकतंत्र और मानवाधिकारों को मजबूत करने का उल्लेख है, लेकिन आसियान समुदाय ब्लूप्रिंट बनाने की बहुत सारी प्रक्रिया समेत आसियान में शामिल उपरोक्त दोनों प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने के लिए कुछ नहीं किया गया है। मानवाधिकारों पर आसियान अंतर-सरकारी आयोग (एआईसीएचआर) की स्थापना और आसियान मानवाधिकार घोषणा (एएचआरडी) को अपनाने के बावजूद, आसियान अभी भी लंबे समय से चल रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामले में पीड़ितों को न्याय दिलाने में अक्षमता के आरोप का सामना कर रहा है। गैर-हस्तक्षेप के सिद्धांत के कारण सरकारों को उनके मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जवाबदेह बनाने के मामले में एआईसीएचआर और एएचआरडी दोनों के पास कोई पुख्ता साधन नहीं हैं।

फिर भी यह आसियान की उपलब्धि है कि आर्थिक, सामाजिक-राजनीतिक और सुरक्षा मुद्दों की पहचान करते हुए अमेरिका, चीन, रूस, भारत, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे आर्थिक दिग्गज आसियान पर अपना प्रभाव डालने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

आसियान सामाजिक-सांस्कृतिक समुदाय (एएससीसी) की रूपरेखा का उद्देश्य लोगों के बीच परस्पर केंद्रित, सामाजिक रूप से जिम्मेदार और पर्यावरण अनुकूल आसियान का निर्माण करना है। यह शिक्षा, सामाजिक संरक्षण, पर्यावरणीय स्थिरता, नागरिक समाज के साथ जुड़ने और आसियान पहचान बनाने के लिए विशिष्ट कार्रवाई करने की अनुमति देता है।

बेशक कई क्षेत्रों में प्रगति धीमी रही है। आसियान का आर्थिक विकास अभी भी बड़े पैमाने पर वनों की कटाई, जंगल की आग और इस क्षेत्र में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले खनन कार्य पर निर्भर है।

अगले 20 वर्षों में कार्बन उत्सर्जन दोगुना होने की उम्मीद है और जलवायु परिवर्तन प्रभावों के कारण यहां के लोगों के बीच बढ़ते इन खतरों के बावजूद एक सामान्य जलवायु परिवर्तन नीति का इस क्षेत्र में अभाव है।

इस क्षेत्र के अनुमानित 14 मिलियन प्रवासी श्रमिक अभी भी सामाजिक सुरक्षा के अभाव के साथ कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। मानवाधिकारों पर आसियान अंतर सरकारी आयोग (एआईसीएचआर) की स्थापना और आसियान मानवाधिकार घोषणा (एएचआरडी) को अपनाने के बावजूद आसियान अभी भी लंबे समय से चल रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन के पीड़ितों को न्याय दिलाने में अक्षमता के आरोप का सामना कर रहा है। गैर-हस्तक्षेप के सिद्धांत के कारण सरकारों को उनके मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जवाबदेह बनाने के मामले में एआईसीएचआर और एएचआरडी दोनों के पास पुख्ता साधन नहीं हैं।

क्षेत्रीय एकीकरण प्रक्रिया के केंद्र में आसियान आर्थिक समुदाय (एईसी) है, आर्थिक एकीकरण को गहरा बनाने के साथ ही साथ व्यापक बनाने की प्रतिबद्धता आसियान दर्शाता है। एईसी को आसियान समुदाय के सभी स्तंभों में सबसे उन्नत माना जाता है। एईसी की रूपरेखा इसके चार स्तंभों की रूपरेखा को पेश करता है, जिन्हें माल, सेवाओं, निवेशों में व्यापार के उदारीकरण के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा: (क) एकल बाजार और उत्पादन आधार, (ख) अत्यधिक प्रतिस्पर्धी क्षेत्र, (ग) न्यायसंगत आर्थिक विकास का क्षेत्र, और (घ) पूरी तरह से वैश्विक अर्थव्यवस्था में एकीकृत क्षेत्र। एईसी की स्थापना के लिए हरेक स्तंभ के मूल तत्व को प्राप्त करना जरूरी है।

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में क्षेत्र में काम करने की क्षमता बढ़ाने के लिए एईसी उत्पादन नेटवर्क के विकास को बढ़ाता है। एईसी की स्थापना के साथ, आसियान को एकल बाजार और उत्पादन आधार, जो न केवल सामान की; बल्कि कुशल श्रमिक, पेशेवरों और यहां आने-जाने वाले लोगों को भी गतिशीलता की सुविधा प्रदान करेगा, बनने की उम्मीद है।

आसियान एकल बाजार और उत्पादन आधार के पांच मुख्य तत्व हैं: (i) माल का बहुतायत; (ii) सेवाओं का बहुतायत; (iii) निवेश का बहुतायत; (iv) पूंजी का बहुतायत; और (v) कुशल श्रमिकों का बहुतायत। एकीकरण के लिए बारह प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की गई: कृषि-आधारित सामान, हवाई परिवहन, मोटर वाहन उत्पाद, ई-आसियान (आईसीटी उपकरण सहित), इलेक्ट्रॉनिक्स, मत्स्य पालन, स्वास्थ्य देखभाल उत्पाद, रबर आधारित उत्पाद, कपड़ा और परिधान, पर्यटन, लकड़ी आधारित उत्पाद, और रसद सेवाएं आदि।

सेवा क्षेत्र, जिसे अभी तक डब्ल्यूटीओ के तहत भी पूरी तरह से मुक्त नहीं किया गया है, आसियान फ्रेमवर्क एग्रीमेंट ऑन सर्विसेज (एएफएएस) के माध्यम से खोला जाएगा।

एकल बाजार और उत्पादन आधार बनाने के लिए सीमा-शुल्क को समाप्त करना होगा और गैर-सीमा-शुल्क दर की बाधाओं को समाप्त करना होगा। लेन-देन के समय और लागत को कम करने के लिए

व्यापार और सीमा शुल्क प्रक्रियाओं का मानक तैयार करना और सामंजस्य स्थापित किया जाना बाकी है।

आसियान व्यापक निवेश समझौते (एसीआईए) के माध्यम से निवेश को उदार बनाया जाएगा, जिससे निवेशक अपनी इच्छा के अनुसार किसी भी क्षेत्र में निवेश करने के लिए स्वतंत्र हो जाएंगे। इसका तात्पर्य स्थानीय और घरेलू उत्पादकों के लिए संरक्षण को हटाना है, जिसमें छोटे पैमाने के उत्पादक भी शामिल हैं। निवेश उदारीकरण के अलावा, एसीआईए निवेश संरक्षण को सुनिश्चित करता है, जिसे राष्ट्रीय और अधिकांश पसंदीदा-राष्ट्र के रूप में पेश आने और निवेशक-राष्ट्र विवाद निपटान (आईएसडीएस) के माध्यम से भी जोड़ा जाता है, जो निगमों और निवेशकों को सरकारों पर मुकदमा चलाने का अधिकार देकर उन्हें अधिक ताकतवर बनाता है।

आसियान ने माल, निवेश, सेवाओं, पूंजी और लोगों की मुफ्त आवाजाही की सुविधा के लिए क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए 2010 में आसियान कनेक्टिविटी मास्टर प्लान (एमपीएसी) को अपनाया है। एमपीएसी के तीन घटक हैं: भौतिक आधारभूत संरचना विकास (भौतिक संपर्क सुविधा), प्रभावी संस्थान, तंत्र और प्रक्रियाएं (संस्थागत संपर्क सुविधा) और सशक्त लोगों का सशक्तिकरण (लोगों के बीच आपसी संपर्क) को बढ़ाना।

आसियान को अक्सर यूरोपीय संघ के दक्षिण पूर्व एशियाई संस्करण के रूप में देखा जाता है। यूरोपीय संघ और आसियान दोनों के पास बहुत सारे सदस्य-राष्ट्र और प्रमुख राष्ट्र हैं - पांच संस्थापक आसियान सदस्य हैं - जो एक प्रभावी क्षेत्रीय समूह को आधार प्रदान कर सकते हैं। हालांकि, आसियान के विपरीत, जब यूरोपीय संघ एकीकृत हुआ, तो इसके सदस्य ने खुद को अमेरिका और जापान के आर्थिक प्रभुत्व के खिलाफ बेहतर सामूहिक स्थिति में रखने के लिए आर्थिक और राजनीतिक संसाधनों को संग्रहीत किया। इसके विपरीत, आसियान के अधिकांश देश अतीत में उपनिवेश रहे हैं, ये देश एक-दूसरे के साथ क्षेत्र में मौजूद एक या एक से अधिक बाहरी बड़ी शक्तियों के साथ अपने आर्थिक और सुरक्षा हितों की पहचान करते हैं।

***